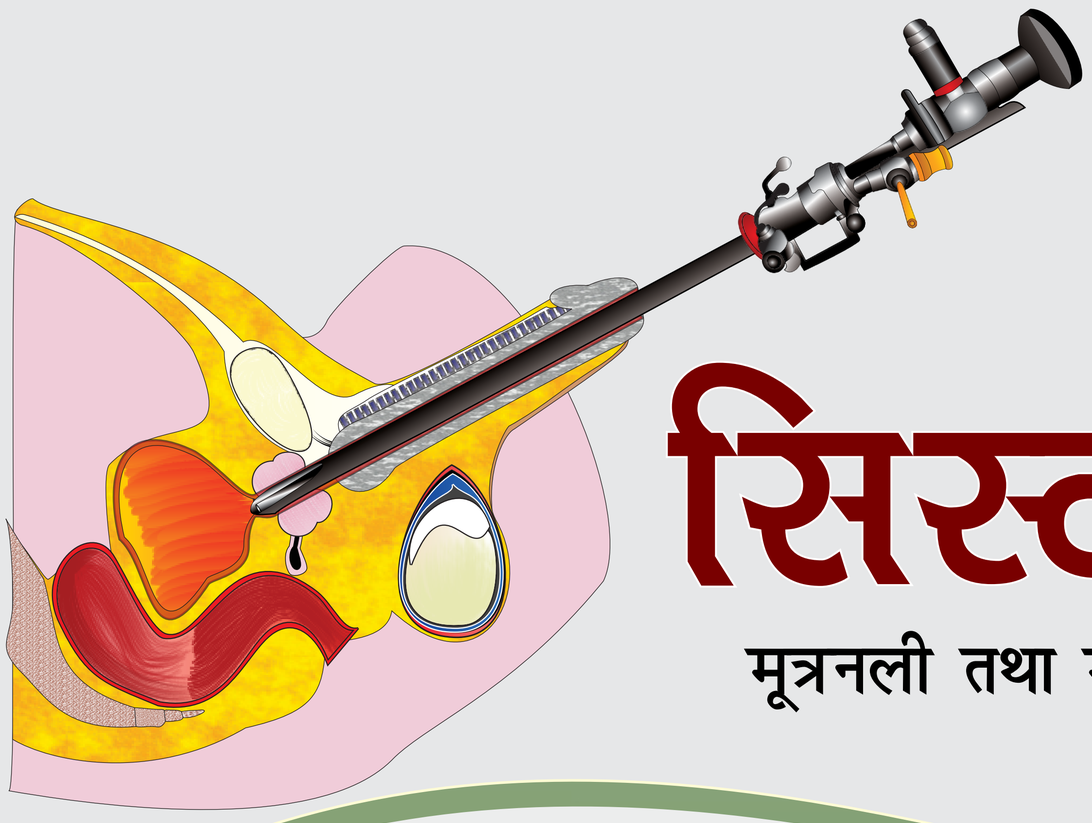

सिस्टोस्कोपी

मूत्रनली तथा मूत्राशय की दूरबीन द्वारा जांच

इस जाँच में क्या होता है?

यह एक दूरबीन से करी जाने वाली जांच प्रणाली है जिसके द्वारा मूत्राशय और मूत्र नलिका, जिससे पेशाब बाहर आती है, को एक वीडियो मानीटर पर देखा जाता है। इस जांच से हम मूत्राशय की अन्दरूनी सतह पर उभरने वाले घाव, ट्यूमर, कैंसर तथा मूत्राशय में बनी पथरी आदि का निदान करते हैं।

जाँच के पहले क्या करना होगा?

- इस जांच कराने से पहले अपने जननांगों के आस-पास बालों को छोटा करें, लिंग के अग्रभाग की त्वचा को पीछे कर उसके नीचे एकत्रित सभी गंदगी को साबुन-पानी से धोकर साफ रखें।
- यह जांच कराने हेतु आपको इसके लिए अपनी लिखित सहमति देनी होगी।
- इस जांच हेतु प्रायः आपको अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता नहीं। यदि आपकी जाँच किसी विशिष्ट एनेस्थीसिया प्रणाली से होनी है अथवा आपको अपने जाँच खर्च की अदायगी किसी सरकारी संस्था/बीमा कम्पनी से करवानी है तो आपको अस्पताल में एक दिन के लिये भर्ती करा जा सकता है।
- अस्पताल पहुँचने पर शल्य चिकित्सा कक्ष के टेक्नीशियन से सम्पर्क करें। वह आपको समुचित पोशाक बदलने को कहेंगे।
- इस जाँच के पहले आपको एक दर्द का एवं एक एण्टीबायोटिक इंजेक्शन भी लगाया जायेगा।

यह जाँच कैसे करी जाती है?

- इस जॉच के लिए सामान्यतः बेहोशी की आवश्यकता नहीं होती है। मात्र पेशाब की नली को सुन्न एवं चिकना करके यह जांच सरलतापूर्वक की जा सकती है।

SAWAI MAN SINGH HOSPITAL

यूरोलॉजी विभाग

सवाई मान सिंह चिकित्सा महाविद्यालय, जयपुर

सिस्टोस्कोपी जाँच द्वारा देखें जाने वाले सामान्य रोग

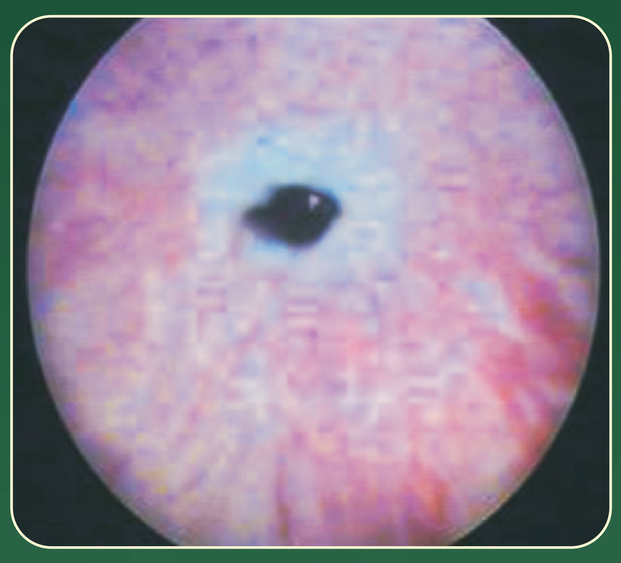

मूत्रनली की सिकुड़न

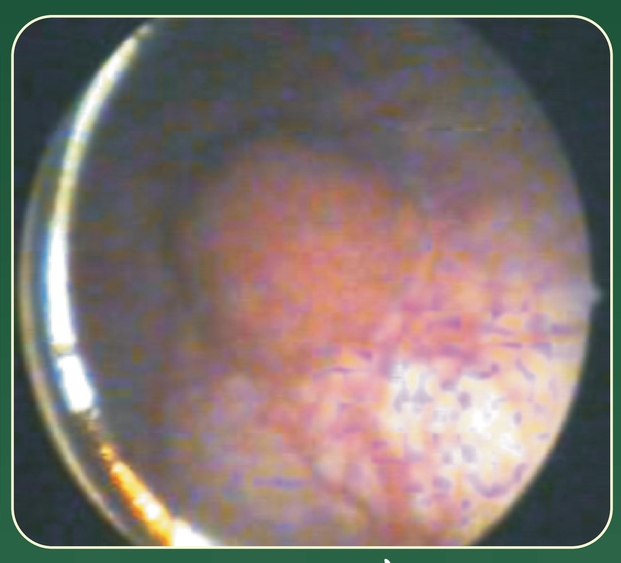

मूत्राशय का कैंसर

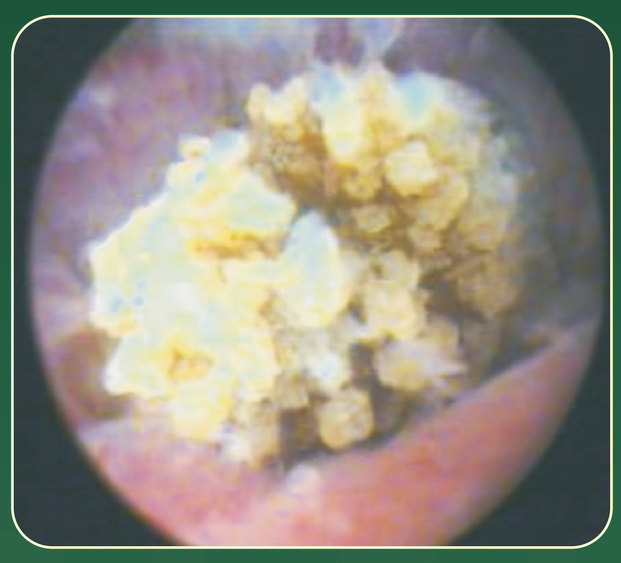

मूत्राशय की पथरी

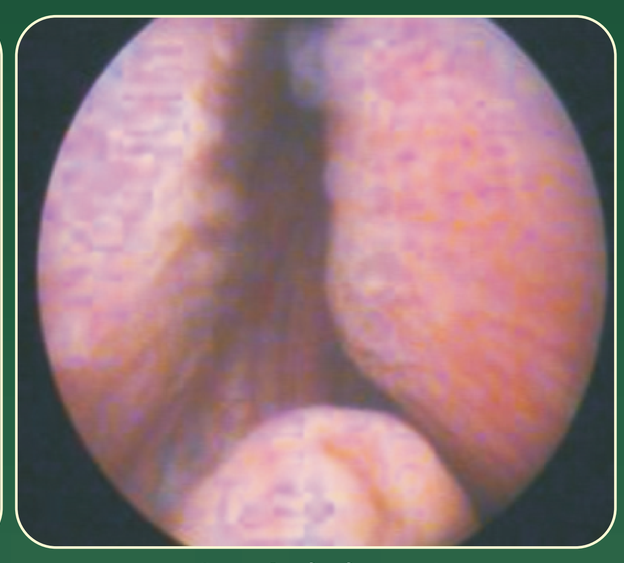

बढ़ी हुई प्रोस्टेट ग्रन्थि

- यदि आप जाँच की प्रक्रिया के विषय में अधिक चिंतित है अथवा कम उम्र की लड़कियों तथा महिलाओं में कभी-कभी बेहोशी की आवश्यकता पड़ती है।
- इस जांच में आपको मूत्र मार्ग से एक पतली दूरबीन भीतर प्रवेश करायी जाती है। इस दूरबीन पर एक कैमरा लगा रहता है, जो मूत्रनली तथा मूत्राशय की अन्दरूनी सतह की समस्त व्याधियों का वीडियो चित्रण कर लेता है।
- इस जाँच को करने में मात्र 5 से 10 मिनट लगते हैं एवं उसके पश्चात जब आपको स्वतः एक बार भली भांति मूत्र त्याग हो जायेगा तब आप घर जा सकेंगे।

इस जाँच के बाद आपको क्या हो सकता है?

- परीक्षण के तुरन्त बाद पहली बार पेशाब के रास्ते थोड़े हवा के बुलबुले या जेली की तरह पदार्थ (जो मूत्रवाहिनी को चिकना करने में इस्तेमाल होता है) या थोड़ा रक्त भी आ सकता है।
- आप मूत्र त्याग करने में थोड़ी चिलकन महसूस कर सकते हैं। आपको बार-बार पेशाब जाने का आभास हो सकता है तथा आप थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पेशाब करेंगे।
- उपरोक्त सभी समस्याएँ स्वतः एक ही दिन में ठीक हो जाती हैं, लेकिन मूल समस्या नहीं जिसके लिए यह परीक्षण किया जाता है।

जाँच के पश्चात घर जाने पर क्या करें?

- नियम से दवाईयाँ ले। चिकित्सक द्वारा सलाह देने पर प्रचुर मात्रा में तरल पदार्थ लें (करीब 4 लीटर प्रति दिन, जैसे चाय, फलों के रस, दूध आदि)
- खाने में कोई परहेज नहीं होता बशर्ते अलग से कहा न गया हो।
- यदि आपको डायबिटीज का रोग है तो इस पर बेहतर नियंत्रण रखें।

चिकित्सक से कब सम्पर्क करें?

- यदि आपको जाँच के उपरान्त ठण्ड और कम्पन के साथ बुखार हो।
- यदि आपको मूत्र त्याग करने में अत्याधिक रूकावट का एहसास हो।
- यदि आपको मूत्र में अधिक मात्रा में रक्त आने लगें।
- यदि आपके एक या दोनो अण्डकोशों में दर्द के साथ किसी सूजन का आभास हो।
- यदि आपकी कोई बायोप्सी हुई हो तो उसकी रिपार्ट अवश्य दिखायें।